भजन

तर्ज– देश का सहारा सब का प्यारा

सच्ची वाणी अखंड वाणी कौन पढेगा,हम सारे
मुक्ति देने वाली वाणी कौन पढ़ेगा, हम सारे

1–सुन्दर सुन्दर शब्द सजाये,सुन्दर रचना कीनी है
सुन्दरसाथ पे पा अपनी,धामधनी ने कीनी है
इसको चित्त में कौन धरेगा,हम सारे

2–जिस वाणी से आत्म जागे,अपनी खातिर आई है
चौदे लोक को मुक्ति देने,श्री जी ने फरमाई है
इसे जाग के कौन सुनेगा,हम सारे

3– पढ़ने सुनने वाला वाणी,दुख न कभी उठाता है
शरण में लेते धाम धनी,वो परमधाम को जाता है
प्रेम से इस पर कौन चलेगा,हम सारे